पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शादी के सवाल पर भड़कीं जैस्मीन भसीन

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 127 ■ मंगलवार 28 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

उल्हास विकास NEWS
अब पढ़ें अपना उल्हास विकास कहीं भी, कभी भी!
ULHAS VIKAS E-PAPER
READ YOUR FAVOURITE NEWS ANYTIME, ANYWHERE!
SCAN QR CODE
To open ULHAS VIKAS E-PAPER website scan the QR code
HOW TO OPEN
1 Open your phone's Camera app or Google Lens
2 Point it at the QR code
3 Tap the web link popup that appears on your screen
WHY CHOOSE ULHAS VIKAS E-PAPER?
DAILY E-PAPER | MOBILE FRIENDLY | FAST & EASY ACCESS | PAPERLESS ECO-FRIENDLY
VISIT NOW https://epaper.ulhasvikas.com
उल्हास विकास... जनतेचा विकास!

मां ने बेटी की गला घोंटकर की हत्या

- उल्हासनगर में आनर किलिंग की सनसनीखेज वारदात
- प्रेम विवाद में अपनी 20 साल की बेटी की हत्या
- दूसरी जाति के लड़के से प्रेम का मामला
- आरोपी मां गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां ने दूसरी जाति के लड़के से प्रेम विवाद में अपनी 20 साल की बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन की पुलिस ने आरोपी मां आशा गरद को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। उल्हासनगर-1 इलाके के भैयासाहेब अंबेडकर नगर की रहने वाली अमृता गरद का दूसरी जाति के एक युवक से प्रेम संबंध था। मां आशा गरद इस रिश्ते के खिलाफ थी। इसी वजह से रविवार आधी रात को करीब 2 बजे मां और बेटी के बीच तीखी बहस हुई। उस समय अमृता के पिता और दो भाई घर में सो रहे थे। बहस के बाद अमृता घर से निकलने की तैयारी कर रही थी, तभी गुस्से में उसकी मां आशा गरद ने कथित तौर पर दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। इस घटना में अमृता की मौत हो गई।

घटना के बाद अमृता के पिता खुद उल्हासनगर पुलिस स्टेशन गए और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की और आरोपी मां आशा गरद को गिरफ्तार कर लिया।

12वीं मंजिल से धकेलकर बिल्ली को मार डाला

- घटना सीसीटीवी में कैद
- आरोपी पर अपराध दर्ज करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक बेजुबान बिल्ली की क्रूरता के साथ हत्या कर दी गई है. एक अधेड़ आयु के व्यक्ति ने बिल्ली को 12वीं मंजिल से नीचे धकेल कर जान से मार दिया. ये घटना शहर पूर्व के पालेगांव में हुई है. सीसीटीवी कैमरे में ये क्रूर घटना कैद हो गई है.

पालेगांव के लोयर फ्लोरा इमारत में ये घटना हुई. उस निर्दयी दोषी व्यक्ति पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की जा रही है. इस घटना के बाद प्राणी प्रेमियों में रोष देखा जा रहा है. परिसर के निवासियों का कहना है कि ये बिल्ली बहुत दिनों से यहां रहती थी और सब की परिचित थी. और किसी को भी परेशान नहीं करती थी.

सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहा है कि हाथ में रूमाल लिए हाफ चड्डी और ब्लू कलर का बनियान पहना हुआ व्यक्ति जब बिल्ली के करीब आया तो बिल्ली भागी नहीं, वह ये समझी कि वह उसे प्यार करने के लिए करीब आ रहा है. ये बिल्ली कठडे पर बैठी थी. व्यक्ति नजदीक आया और उसे हाथ मारकर नीचे धकेल दिया. उसका इराता बिल्ली को जान से मारने का ही था. बिल्ली को 12वीं मंजिल से धकेलने के बाद उस व्यक्ति ने नीचे झांककर देखा भी कि बिल्ली नीचे गिरकर मरी भी है या नहीं. उस क्रूर व्यक्ति पर प्राणी एक्ट के अनुसार अपराध दाखिल करके उसे कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की जा रही है. बेजुबान प्राणी को इस तरह मारने की चर्चा पालेगांव में है.

हर साल मौसम की तरह फिर आ जाते हैं गड्ढे

- उल्हासनगर मनपा में गड्ढों की 'विरासत'

उल्हासनगर. पिछले दो दशकों से उल्हासनगर शहर गड्ढों की समस्या से जूझ रहा है। चाहे इन्हें कितनी भी बार भरा जाए, मॉनसून के दौरान ये फिर से उभर आते हैं। अक्सर कहा जाता है कि ये गड्ढे मनपा की 'विरासत' हैं। बारिश के मौसम में इन्हें भरने पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, फिर भी एक भी गड्ढे की ठीक से मरम्मत नहीं होती; आखिरकार, वे हमेशा फिर से सामने आ जाते हैं, जिससे यह 'विरासत' उजागर होती है। इसके लिए मनपा का लोक निर्माण विभाग जिम्मेदार है, जिस पर ठेकेदारों के फर्जी बिलों के जरिए जनता का पैसा बर्बाद करने के आरोप लगते रहे हैं।

उल्हासनगर का क्षेत्रफल केवल 13 वर्ग किलोमीटर है; शहर का विकास बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। हालांकि, सत्ता में बैठे लोगों ने अपनी जेबें भरने को प्राथमिकता दी। सरकार और MMRDA से भारी फंड और प्रॉपर्टी टैक्स से अच्छी-खासी कमाई होने के बावजूद शहर का विकास अधूरा है। हर साल मॉनसून से पहले शहर के गड्ढों को भरने के लिए ठेकेदारों को करोड़ों रुपये का भुगतान किया जाता है। फिर भी, अपनी आदत के अनुसार, वे गड्ढों में केवल मिट्टी और मलबा डालकर उन्हें भरने का दिखावा करते हैं। बारिश के साथ गड्ढे फिर से उभर आते हैं - ऐसा लगता है मानो वे मनपा के अपने परिवार के 'पारंपरिक' गड्ढे हों।

फालोवर लाइन (कैंप 3) से नेहरू चौक तक के रास्ते पर बार-बार होने वाले गड्ढे फिर से उभर आए हैं। वहीं, इंगल होटल के सामने हमेशा रहने वाला गड्ढा फिर से खुल गया है और सपना टॉकीज के सामने नए गड्ढे बन गए हैं। गणेश नगर और शिवाजी नगर की सड़कों के साथ-साथ रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर भी गड्ढे बन गए हैं। लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के सामने एक बड़ा और बार-बार बनने वाला गड्ढा हो गया है। यह एक बहुत बड़ा गड्ढा है। हर साल इसे भरने के लिए तेल और बिटुमेन के मिश्रण का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह सामग्री पानी का सामना नहीं कर पाती। शहर भर में ऐसे कई गड्ढे बन गए हैं और इस स्थिति के लिए मनपा को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। आरोप लग रहे हैं कि मनपा घटिया काम करने वाले ठेकेदारों को संरक्षण देता है और ये ठेकेदार बिना काम किए ही भुगतान प्राप्त कर लेते हैं।

कीचड़ के छींटे पड़ने पर दो गुटों में जमकर मारपीट

कल्याण. कचोरे स्थित हनुमान नगर इलाके में सड़क पर जमा बारिश के पानी के छींटे पड़ने की मामूली बात ने हिंसक रूप ले लिया। दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें महिलाएं भी भिड़ गईं। घटना में एक महिला घायल हो गई, जबकि पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। रविवार को एक युवक बाइक से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर भरे गंदे पानी के छींटे दूसरी ओर खड़े कुछ लोगों पर पड़ गए। इसे लेकर पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और महिलाओं ने भी झगड़े में हिस्सा लिया।

SIR फार्म भरने की तारीख 10 दिन बढ़ाई गई

- 8 अगस्त तक भरे जाएंगे फार्म
- 17 अगस्त प्रारूप यादी प्रसिद्ध
- 16 सितंबर तक हरकत
- 19 अक्टूबर को अंतिम यादी प्रसिद्ध

अंबरनाथ. महाराष्ट्र में एसआईआर चल रहा है. बूथ लेवल पर बीएलओ एसआईआर के फार्म भर रहे हैं. ये कार्य पूरा करने के लिए 29 जुलाई आखिरी तारीख तय थी, लेकिन ये कार्य 29 जुलाई तक पूरा नहीं होगा, ये देखकर चुनाव आयोग ने 10 दिन और बढ़ा दिए हैं. अब 8 अगस्त तक आयोग के अधिकारी घर-घर जाकर फार्म भरेंगे. नए बढ़ाए गए मुद्दत के कारण महाराष्ट्र की प्रारूप (कच्ची) मतदार यादी 17 अगस्त को प्रसिद्ध की जाएगी. मतदार इस यादी में अपने नाम हैं या नहीं ये देख सकेंगे. अगर एसआईआर भरने के बाद भी उनके नाम मतदार यादी में नहीं आया है तो वह 16 सितंबर तक आब्जेक्शन ले सकते हैं. ये बहुत ही जरूरी है कि आप ये देखें कि मतदार यादी में उनका नाम है या नहीं. अगर नहीं है तो आब्जेक्शन जरूर लें. क्योंकि महसूल विभाग द्वारा ये बताया गया है कि अगर एसआईआर फार्म भरने के बाद भी उनका नाम नहीं आया और दी गई तारीख तक आब्जेक्शन नहीं लिया गया तो उनका नाम पक्की यादी से कट गया तो उनके भागदौड़ करने के बाद भी उनके नाम का समावेश नहीं होगा. क्योंकि हर 20 वर्षों के बाद एसआईआर होता है. 15 अक्टूबर तक आब्जेक्शन का रिजल्ट सामने लाया जाएगा और 19 अक्टूबर को अंतिम मतदार यादी प्रसिद्ध की जाएगी.

कल्याण में नशे में धुत युवक ने पुलिस पर किया हमला

- डंडे से पिटाई का वीडियो वायरल
- CCTV फुटेज वायरल

कल्याण. कल्याण वेस्ट के गौरीपाड़ा में दत्ता मंदिर के पास सुंदर रेजीडेंसी बिल्डिंग में हंगामा कर रहे एक आदमी को शांत करने के लिए पुलिस भेजनी पड़ी। रविवार को सुबह करीब 1:30 बजे एक महिला ने खड़कपाड़ा पुलिस से उस आदमी को कस्टडी में लेने के लिए कॉन्टैक्ट किया। पुलिस को बताया गया कि वह शिकायत करने वाली महिला का रिश्तेदार है। इससे पहले, आरोपी ने बिल्डिंग के केयरटेकर को भी चाकू मारकर जान से मारने की धमकी दी।

कुछ देर बाद, कांस्टेबल गणेश चव्हाण आरोपी को रोकने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने आरोपी को शांत रहने की हिदायत दी, आरोपी ने कांस्टेबल चव्हाण को गालियां देना और उन्हीं की डंडे से पीटना शुरू कर दिया। फिर, उसने दीवार पर उनका सिर मारकर उन्हें घायल करने की कोशिश की। इसमें चव्हाण की यूनिफॉर्म फट गई। चव्हाण ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी ने यूनिफॉर्म पर लगा नेम टैग तोड़ दिया और सरकारी काम में रुकावट डाली।

इस घटना के बाद आरोपी अपनी कार से मौके से भागने की कोशिश करने लगा। इस पर कांस्टेबल चव्हाण ने कार के सामने जाकर अपनी गाड़ी रोक दी। इस पर आरोपी गाड़ी से उतरा और चव्हाण पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। पुलिस ने इस मामले में सुंदर रेजीडेंसी सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड घनश्याम यादव का बयान भी दर्ज किया है। इसके अलावा, बिल्डिंग में रहने वाले कुछ लोगों ने भी आरोपी को रोकने की कोशिश की। आरोपी का नाम राहुल रवींद्र तायडे है।

सरकारी काम में रुकावट

शिकायतकर्ता समीक्षा संतोष ठोसर ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। खास बात यह है कि खड़कपाड़ा पुलिस ने एक्स्ट्रा मदद भेजकर राहुल को गिरफ्तार करने की कोशिश की। लेकिन, वह कार में बैठकर बारावे की तरफ भाग गया। कांस्टेबल चव्हाण और पीड़ित महिला समीक्षा ठोसर ने राहुल तायडे के खिलाफ खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में जानलेवा हमला करके सरकारी काम में रुकावट डालने की शिकायत दर्ज कराई है।

रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर ने ठगा

कल्याण. एक रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर ने उल्हासनगर के एक RTO एजेंट के बेटे को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और नासिक के हेल्थ सर्विसेज डिपार्टमेंट में नौकरी दिलाने का वादा करके उनसे 11 लाख रुपये ठग लिए. यह फ्रॉड पिछले साल हुआ था. इस फ्रॉड केस में महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है.

RTO एजेंट यूसुफ लोटन पिंजारी की शिकायत पर पुलिस ने नासिक के रहने वाले रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर भरत अशोक देवरे और उसके साथी बबन भाऊसाहेब गायकवाड़ के खिलाफ फ्रॉड का केस दर्ज किया है. शिकायत करने वाले पिंजारी कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट एरिया में बिचौलिए का काम करते हैं.

पिंजारी ने शिकायत में कहा है कि उनका बेटा कॉमर्स ग्रेजुएट है. वह उसे नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहे हैं. जलगांव के चालीसगांव से हमारे भतीजे मुस्ताक पिंजारी ने पिछले साल सितंबर में हमें बताया कि हमारे गांव के संजय सालुंके आर्मी से रिटायर हुए हैं। उनके साथ आर्मी से रिटायर हुए भरत देवरे ने कई बच्चों को नौकरी दिलाई थी। देवरे नासिक में रहते हैं।इस जानकारी के ज़रिए हमारा देवरे से संपर्क हुआ।

जब देवरे को जानकारी मिली कि उनके बेटे को नौकरी चाहिए, तो उन्होंने हमसे संपर्क किया और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में नौकरी दिलाने का वादा किया. उन्होंने हमें भरोसा दिलाया कि हमें नौकरी मिल जाएगी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में क्लर्क की पोस्ट के लिए कुल 16 लाख रुपये चाहिए। पहले हम पांच लाख रुपये देंगे और हमारा काम पक्का हो जाएगा. देवरे ने कहा कि उसकी नौकरी 99 परसेंट हो जाएगी और कल्याण के वालधुनी इलाके में उससे कुल चार लाख रुपये लिए। बाकी पांच से छह लाख रुपये कैश देने होंगे, ऐसा देवरे ने कहा। बाकी पांच लाख रुपये लेकर हम देवरे के साथ औरंगाबाद गए। वहां हमारी पहचान बबन गायकवाड़, मोरे से हुई। हमें बताया गया कि मोरे इनकम टैक्स में काम करता है। वहां हमारे बेटे का इंटरव्यू हुआ। हमने देवरे, गायकवाड़ को 5 लाख रुपये दिए। उसके बाद बार-बार अपॉइंटमेंट लेटर मांगने पर भी देवरे, गायकवाड़ ने अपने बेटे का काम नहीं किया। हमें बताया गया कि हम नासिक हेल्थ सर्विसेज़ बोर्ड में अपने बेटे का काम कर रहे हैं और हमारे बेटे का नाम 65वें नंबर पर है, और हमें एक नकली वेटिंग लिस्ट भेजी गई। शिकायत में कहा गया है कि देवरे और गायकवाड़ ने नौकरी का लालच देकर उससे 11 लाख रुपये ऐंठ लिए।

इस साल भी नेवाली रोड बना सिरदर्द

- गड्ढों की वजह से वन-वे ट्रैफिक

अंबरनाथ. अंबरनाथ और कटाई के बीच नेवाली के पास डावलपाड़ा की सड़कें इस साल बहुत खराब हो गई हैं। बड़ी संख्या में गड्ढे, उनमें से बहता पानी और गाड़ियों की धीमी स्पीड, इन सबकी वजह से यहां हर दिन ट्रैफिक में दिक्कत आ रही है, जिससे ड्राइवरों को परेशानी हो रही है। इस रास्ते पर नेवाली चौक पर ट्रैफिक जाम भी लग रहा है। इस वजह से गाड़ियों की लाइन बढ़ती जा रही है और ड्राइवरों को घंटों फंसे रहना पड़ रहा है।

बदलापुर, अंबरनाथ, उल्हासनगर से ठाणे, डोंबिवली, मुंबई, नवी मुंबई जाने के लिए सबसे ज़रूरी सड़क अंबरनाथ कटाई रोड है। पिछले कुछ सालों में इस सड़क को कंक्रीट और चौड़ा किया गया है। इस वजह से ज़्यादातर सड़क कंक्रीट की हो गई है। इस वजह से कुछ इलाकों में ट्रैफिक तेज़ हो गया है। लेकिन, नेवाली के पास इस रास्ते का ज़रूरी हिस्सा पिछले कई सालों से विवादों में रहा है।

महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MIDC) ने 1972 में इस सड़क की ज़िम्मेदारी ली थी ताकि जांभूल में पानी साफ़ करने वाले सेंटर तक जा सके और इस रास्ते पर पानी की नहरें बिछाई जा सकें। तब से यह रास्ता कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में है। इस रास्ते के डावलपाड़ा इलाके में ज़मीन अधिग्रहण में गड़बड़ी की वजह से सड़क का कुछ हिस्सा कंक्रीटिंग से वंचित रह गया था। महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने इस इलाके में पानी की नहर का काम भी किया था। लेकिन, अधिग्रहित ज़मीन के लैंड रिकॉर्ड में गड़बड़ी की वजह से एक स्थानीय किसान ने यहाँ कंक्रीटिंग के काम पर एतराज़ जताया और उसका विरोध किया।

इसलिए, पिछले कई सालों से यहाँ मॉनसून के दौरान बहुत ज़्यादा पानी जमा हो जाता है। यहाँ बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने की वजह से कटाई जाने वाला रास्ता ढक जाता है। इस वजह से गाड़ियों को दूसरी लेन से निकालना पड़ता है। इस वजह से दोनों लेन पर बहुत ज़्यादा ट्रैफ़िक जाम रहता है। मानसून के दौरान, गड्ढों और उनमें डायवर्ट किए गए ट्रैफिक की वजह से ड्राइवरों को बहुत परेशानी होती है। नेवाली चौक पर ट्रैफिक डिसिप्लिन की कमी की वजह से हमेशा जाम रहता है। इसलिए, नेवाली चौक से दावलपाड़ा तक का यह हिस्सा हमेशा जाम की स्थिति में रहता है।

पिछले कुछ दिनों में इस इलाके में जाम काफ़ी बढ़ गया है। ड्राइवरों को सुबह देर हो रही है। इन गड्ढों की वजह से बाइक सवारों की कमर टूट गई है। इस वजह से ड्राइवरों में गुस्से का माहौल है। जब हमने इस बारे में महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के लोकल अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, तो हम नहीं कर पाए।

कल्याण में प्रकाश पॉलीक्लिनिक पर छापा

- लाखों की दवा का स्टॉक ज़ब्त

कल्याण. कल्याण ईस्ट के खड़ेगोलवली में प्रकाश पॉलीक्लिनिक पर छापा मारकर 1 लाख 3 हज़ार 690 रुपये की बिना लाइसेंस वाली दवाइयों का स्टॉक ज़ब्त किया। FDA और हेल्थ डिपार्टमेंट की एक जॉइंट टीम ने कल्याण ईस्ट के खड़ेगोलवली में प्रकाश पॉलीक्लिनिक और हेल्थ हॉस्पिटैलिटी पर छापा मारा। FDA के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई में अधिकारियों ने लाखों रुपये की बिना लाइसेंस वाली दवाओं का स्टॉक जब्त किया और उसके सैंपल जांच के लिए सरकारी फोरेंसिक लैब में भेजे। चूंकि इन दवाओं की खरीद और बिक्री के लिए जरूरी लाइसेंस के बिना दवाएं लिखना और स्टॉक करना ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 का उल्लंघन है, इसलिए जब्ती की कार्रवाई की गई। इस समय 1 लाख 3 हजार 690 की दवाइयां जब्त किए गए।

CCE COUNCIL FOR CREATIVE EDUCATION FINLAND
Google for Education Digital Leader School
Sacred Heart School
AFFILIATION NO. CBSE - 1130894
8th Time Winner Green School Award 2025-26
: +91 8605 7330 00 | +91 8988 5211 11
Where Little Hearts
Explore • Discover • Learn
A Joyful Beginning • A Bright Future
Igniting minds • Creating Leaders
Swimming
Music
Football
Motor Skill
Dance
Events & Celebrations

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

विकास और पर्यावरण पर बड़ा सवाल

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में उदयपुर-पांगी सड़क मार्ग पर चट्टानों के गिरने से एक वाहन में सवार तेरह लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या पहाड़ों की पारिस्थितिकी एवं संवेदनशीलता पर गहरी समझ के बिना निर्माण और अन्य तरह की विकासात्मक गतिविधियों को रफ्तार देना उचित है।

क्या यह जरूरी नहीं है कि पर्यावरण के साथ संतुलन बना कर ही विकास कार्यों की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए? कायदे से होना तो यही चाहिए कि पहाड़ों को खोदकर जो सड़कें बनाई जाती हैं, संबंधित विभाग उनकी नियमित निगरानी करें और संभावित जोखिमों को लेकर आम लोगों को पहले से सतर्क कर दिया जाए। मगर ऐसा अमूमन कम ही होता है, जिस कारण खासकर बरसात के दिनों में इस तरह के हादसे होते रहते हैं।

सवाल है कि इस हादसे में जिन लोगों की जान गई, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा? सरकारी दस्तावेज में भले ही इसे हर बार की तरह प्राकृतिक घटना के रूप में दर्ज किया जाएगा, लेकिन असल में यह पहाड़ों की प्रकृति से छेड़छाड़ का ही नतीजा है। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग एक वाहन में सवार होकर कुल्लू से किलाड़ जा रहे थे। खबरों के मुताबिक, जिस सड़क मार्ग पर यह हादसा हुआ, वह जगह-जगह भूस्खलन के दो दिन बाद खोला गया था। सवाल है कि क्या संबंधित विभाग के अधिकारियों ने संभावित जोखिम का आकलन किए बिना ही इस मार्ग पर यातायात की अनुमति दे दी थी? यह जानते हुए कि बरसात के दिनों में पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना रहता है, इसके बावजूद अगर सुरक्षा मानकों पर ध्यान नहीं दिया जाए, तो इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा।

पहाड़ों की प्रकृति को नजरअंदाज कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक, अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण कार्यों और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों की अंदरूनी संरचना कमजोर हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि विकास कार्यों में पर्यावरण के पहलू को केंद्र में रखा जाए, ताकि पारिस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

विमर्श

समाज में समानता लाने की पहल

हाल में मध्य प्रदेश विधानसभा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को मंजूरी दी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश भी उत्तराखंड, गुजरात और असम की उस श्रेणी में शामिल हो गया, जिन्होंने समान नागरिक संहिता की दिशा में ठोस पहल की है। इन पहलों ने समान नागरिक संहिता पर राष्ट्रीय विमर्श को नई गति प्रदान की है। इसी क्रम में बंगाल ने भी समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित कर इस विषय पर अपनी पहल का संकेत दिया है। दूसरी ओर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 'आर एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य' मामले में स्पष्ट किया है कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पाक्सो अधिनियम) के समक्ष कोई भी व्यक्तिगत विधि अपवाद का आधार नहीं बन सकती। ये घटनाक्रम इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि समान नागरिक संहिता का प्रश्न अब केवल वैचारिक बहस का विषय नहीं रहा, बल्कि विधायी, राजनीतिक और न्यायिक, तीनों स्तरों पर गंभीर विचार का विषय बन चुका है। इसने व्यक्तिगत विधियों, संवैधानिक समानता तथा नागरिक अधिकारों से जुड़े इस प्रश्न को पुनः राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में स्थापित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि 1995 में सरला मुद्गल बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था, 'भारत एक पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य है और धार्मिक स्वतंत्रता उसकी मूल सांस्कृतिक विशेषता है। किंतु ऐसी धार्मिक प्रथाएं, जो मानवाधिकारों तथा मानवीय गरिमा का उल्लंघन करती हैं, स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दमन का स्वरूप ग्रहण कर लेती हैं। इसलिए उत्पीड़ित वर्गों की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समान नागरिक संहिता आवश्यक है।' सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी के लगभग तीन दशक बाद भी समान नागरिक संहिता पूरे देश में समान रूप से लागू नहीं हो सकी है। समान नागरिक संहिता पर बहस नई नहीं है। संविधान सभा की बहस के दौरान अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर ने ध्यान आकर्षित किया कि ब्रिटिश राज में दंड विधि, संविदा विधि तथा संपत्ति के हस्तांतरण सहित अनेक नागरिक विधियां सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू थीं। उनके अनुसार यदि व्यापक नागरिक जीवन में विधिक एकरूपता स्वीकार की जा सकती है तो विवाह, उत्तराधिकार तथा पारिवारिक विधियों पर भी समान विधिक व्यवस्था पर विचार करना अस्वाभाविक नहीं माना जाना चाहिए।

संविधान सभा के विमर्श से लेकर आज तक समय-समय पर यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि समान नागरिक संहिता सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है। समान नागरिक संहिता पर होने वाले सार्वजनिक विमर्श में इसका मूल उद्देश्य अनेक बार पीछे छूट गया और चर्चा का केंद्र धार्मिक विवाद बन गया। इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें तो यह स्पष्ट होता है कि समान नागरिक व्यवस्था किसी धर्म विशेष के विरोध का पर्याय नहीं है। तुर्किये इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। लगभग 99 प्रतिशत मुस्लिम पंथावलंबी जनसंख्या वाले इस देश ने 17 फरवरी, 1926 को नागरिक संहिता स्वीकार की, जो चार अक्टूबर, 1926 से लागू हुई। इसका उद्देश्य किसी धार्मिक परंपरा का विरोध नहीं, बल्कि आधुनिक राष्ट्र-निर्माण तथा समान नागरिक अधिकारों की स्थापना था। तुर्किये का अनुभव दर्शाता है कि लोकतांत्रिक समाजों में वैधानिक व्यवस्था का समय-समय पर परिष्कृत होना अपरिहार्य है।

जो व्यवस्थाएं समाज की बदलती आवश्यकताओं और समानता के आदर्शों के अनुरूप स्वयं को परिष्कृत नहीं कर पातीं, वे अपने सभी नागरिकों के साथ समान न्याय सुनिश्चित करने में कठिनाई का सामना करती हैं। भारत के संदर्भ में भी समान नागरिक संहिता पर चर्चा का केंद्र किसी पंथ-संप्रदाय की पहचान नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त समानता, गरिमा और न्याय के मूल्यों का संरक्षण होना चाहिए। किसी भी विधिक सुधार का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के समान अधिकारों और गरिमा को किस सीमा तक सुदृढ़ करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक सफलता इसी में है कि वह विविधताओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक नागरिक के लिए समान न्याय सुनिश्चित कर सके।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारे अंदर एक ऐसा शक्तिशाली स्थल मौजूद है जो जीवन की ऊर्जा का स्रोत है। ध्यानाभ्यास के द्वारा हम इस शक्तिशाली स्थल में जा सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की चुनौती

एक स्वस्थ लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि अगर किसी मसले पर सरकार के रुख की वजह से जनता के बीच असंतोष और विरोध की भावना बढ़ रही हो, तो सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर लोगों के भीतर उभरे व्यापक क्षोभ और विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आखिर इस्तीफा देना लोकतांत्रिक परंपरा की ही अगली कड़ी है। हालांकि सरकार ने अगर इस संबंध में समय रहते ठोस फैसला किया होता और जनता के बीच स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की होती, तो शायद लोगों के बीच आक्रोश का दायरा इतना नहीं फैलता, जिसने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल उठाए।

प्रश्नपत्र लीक होने की घटना के उजागर होने के बाद से ही समूचा सरकारी तंत्र एक तरह से कठघरे में खड़ा था और लोगों ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने के साथ-साथ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मगर सरकार ने इस मसले पर तब तक उपेक्षा और उदासीनता का रुख अपनाए रखा, जब तक काकरोच जनता पार्टी के आह्वान के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में इस मुद्दे पर व्यापक जनांदोलन नहीं खड़ा हो गया।

विचित्र यह भी है कि प्रश्नपत्र लीक

होने की घटना की गंभीरता और उस पर लोगों के बीच पसरते आक्रोश की तीव्रता का अंदाजा होने के बावजूद सरकार ने न तो ठोस कार्रवाई करने का संकेत दिया और न ही आंदोलन के लिए सड़क पर उतरे विद्यार्थियों से संवाद कायम करने की कोशिश की। इसके उलट जंतर मंतर पर जमे प्रदर्शनकारियों ने जब 'संसद मार्च' के आह्वान के जरिए अपनी मांग और आवाज को आगे बढ़ाना चाहा, तो उन्हें रोकने के लिए सरकार ने एक तरह पुलिस को खुला छोड़ दिया गया। नतीजतन, पुलिस ने हर मानवीय तकाजे को ताक पर रख कर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया।

सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाने वाला था। इसी के बाद न केवल दिल्ली में, बल्कि देश के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह एक तरह से इस समूचे मुद्दे पर सरकार के अपरिपक्व रवैये का सबूत था, जिसके तहत आंदोलनकारियों से संवाद करके समस्या का समाधान निकालने के बजाय बल प्रयोग के जरिए उनका दमन करने की कोशिश की गई।

जाहिर है, सरकार का यह रुख एक और अलोकतांत्रिक तथा गैरजिम्मेदार कदम के रूप में देखा गया और सवाल उठे कि क्या इस तरह असहमत होने और विरोध करने के संवैधानिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। जबकि विद्यार्थियों के असंतोष की अभिव्यक्ति दरअसल लंबे समय से इस मसले पर सरकार की उदासीनता और बार-बार परीक्षाओं के आयोजन में गड़बड़ी से लेकर समावेशी शिक्षा के सिद्धांत की अनदेखी से उपजी स्थिति थी।

अब देर से सही, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा आना जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया का एक उदाहरण है। इसके बाद अब शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी प्रल्हाद जोशी को सौंपी गई है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, बल्कि व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। इसके अलावा, आंदोलन और विरोध प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का स्वाभाविक हिस्सा मानते हुए सरकार अब आगे परीक्षाओं के आयोजन में सभी स्तर पर शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मामले में कोई समझौता न करे।

100 साल से पुराना है ये अंतिम रेलवे स्टेशन!

जरा हट के

पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक रेलवे स्टेशन सिर्फ एक स्टेशन नहीं, बल्कि इतिहास की जीवंत गवाही है. यह स्टेशन करीब 100 साल पुराना है और आज भी अपनी पुरानी यादों को समेटे हुए खड़ा है. स्टेशन के एक कोने में पहुंचते ही रेल की पटरी अचानक खत्म हो जाती है. यह दृश्य देखकर कोई भी हैरान रह जाता है.

1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन से पहले यह रेलवे लाइन आगे पाकिस्तान तक जाती थी. डेरा बाबा नानक से ट्रेनें पाकिस्तान के विभिन्न शहरों के लिए चलती थी. दोनों तरफ के लोग परिवार, व्यापार और यात्रा के लिए इस रूट का इस्तेमाल करते थे. लेकिन विभाजन के बाद सीमा बंद हो गई और यह लाइन कट गई. अब पटरी का आखिरी हिस्सा झाड़-जंगलों में गुम सा दिखता है.

वर्तमान में यह स्टेशन करतारपुर कॉरिडोर के निकट है. श्रद्धालु गुरु नानक देव जी के दर्शन के लिए यहां आते हैं. स्टेशन अब शांत और शांति का प्रतीक बन गया है. हालांकि पुरानी इमारत और खत्म होती पटरी अभी भी विभाजन की विभीषिका की याद दिलाती है. डेरा बाबा नानक गुरु नानक देव जी से जुड़ा पवित्र स्थान है. स्टेशन ब्रिटिश काल में बनाया गया था. विभाजन के समय यहां से हजारों लोग विस्थापित हुए थे. आज यह पर्यटकों और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करता है.

स्थानीय लोग बताते हैं कि पहले यहां काफी चहल-पहल रहती थी. ट्रेनों की सीटियां, यात्रियों की भीड़ और व्यापार की रौनक थी. लेकिन अब शांति छाई रहती है. कुछ पुराने यात्री अभी भी उन दिनों को याद करते हुए भावुक हो जाते हैं. यह स्टेशन हमें सिखाता है कि सीमाएं कितनी भी मजबूत क्यों ना हों, इतिहास और यादें हमेशा जीवित रहती है. करतारपुर कॉरिडोर खुलने के बाद यहां फिर से कुछ हलचल बढ़ी है, लेकिन पुरानी पटरी अब भी चुपचाप खड़ी विभाजन की कहानी सुनाती है. जहां ये पटरियां खत्म होती है वहां से 600 मीटर की दुरी पर पाकिस्तान है. लेकिन अब ये पटरियां पाकिस्तान की सीमा को पार नहीं करती.

चाट मसाला

क्या आप भी रोज-रोज लौकी, तोरई, कद्दू या टिंडे जैसी सादी सब्जियां खाकर बोर हो गए हैं? घर के बच्चे हों या बड़े, अक्सर डाइनिंग टेबल पर ऐसी सब्जियां देखकर सब मुंह बनाने लगते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी किचन में ही एक ऐसा जादू छिपा है, जो किसी भी बोरिंग खाने में जान डाल सकता है?

सामग्री

- जीराः 4 बड़े चम्मच
- साबुत धनियाः 2 बड़े चम्मच
- काली मिर्चः 1 बड़ा चम्मच
- अजवायनः 1 छोटा चम्मच
- सौंफः 1 छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडरः 3 बड़े चम्मच
- काला नमकः 2 बड़े चम्मच
- सफेद नमकः 1 बड़ा चम्मच
- हींगः आधा छोटा चम्मच
- सूखी लाल मिर्चः 2 से 3 या अपने स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले गैस पर एक पैन या कड़ाही रखें और उसे धीमी आंच पर गर्म होने दें। अब पैन में जीरा, साबुत धनिया, काली मिर्च, सौंफ, अजवायन और सूखी लाल मिर्च डालें। इन सभी खड़े मसालों को 2 से 3 मिनट तक लगातार चलाते हुए धीमी आंच पर भून लें। ध्यान रहे, मसालों को जलाना नहीं है, बस तब तक भूनना है जब तक इनकी नमी खत्म न हो जाए और इनमें से एक सोंधी-सोंधी खुशबू न आने लगे।

मसालों के अच्छे से भुन जाने के बाद गैस बंद कर दें। इन्हें एक प्लेट में निकाल लें और पूरी तरह से ठंडा होने दें। ध्यान रहे, गर्म मसालों को पीसने से उनका तेल अलग हो सकता है और स्वाद बिगड़ सकता है। जब मसाले बिल्कुल ठंडे हो जाएं, तो इन्हें एक मिक्सी के जार में डालें। अब इसी जार में अमचूर पाउडर, काला नमक, सफेद नमक और हींग भी डाल दें। मिक्सी को चलाएं और सभी चीजों को एक साथ बारीक पीस लें।

बस फिर लीजिए, आपका एकदम फ्रेश, चटपटा और खुशबूदार होममेड चाट मसाला बिल्कुल तैयार है।

रातभर बदलते रहते हैं करवटें?

आज ही अपनाएं ये आसान टिप्स और पाएं सुकून भरी नींद

अगर आप भी सुबह उठने के बाद खुद को थका-थका सा महसूस करते हैं, तो अब अपनी सोने की आदतों को सुधारने का वक्त आ गया है। आइए जानते हैं कुछ बेहद आसान टिप्स, जो आपको एक गहरी और सुकून भरी नींद पाने में मदद करेंगे।

सोने और उठने का एक पक्का रूटीन बनाएं

रोजाना अलग-अलग समय पर सोने या जागने से हमारे शरीर की अंदरूनी घड़ी कन्फ्यूज हो जाती है। इसलिए कोशिश करें कि रोज एक ही समय पर सोएं और उठें। इससे आपके दिमाग को सही समय पर आराम करने का सिग्नल मिलता है, जिससे नींद जल्दी और गहरी आती है।

सोने से पहले 'डिजिटल डिटॉक्स' है जरूरी

क्या आप भी सोते समय मोबाइल चलाते हैं? मोबाइल और टीवी असल में हमारी नींद के सबसे बड़े दुश्मन हैं। इनकी स्क्रीन से निकलने वाली 'ब्लू लाइट' हमारे दिमाग को लगातार एक्टिव रखती है। अच्छी नींद के लिए सोने से कम से कम एक घंटा पहले अपने फोन और गैजेट्स से दूरी बना लें और खुद को किसी शांत गतिविधि में लगाएं।

रात का खाना हल्का और सही समय पर लें

देर रात हेवी और मसालेदार खाना खाने से पेट में परेशानी हो सकती है, जो बार-बार आपकी नींद तोड़ती है। हमेशा यह नियम बनाएं कि सोने से करीब 2 से 3 घंटे पहले ही अपना डिनर कर लें। रात का खाना हल्का और पौष्टिक होना चाहिए ताकि आपका शरीर आसानी से आराम की स्थिति में जा सके।

मन को शांत करने की आदत डालें

दिनभर की टेंशन और स्ट्रेस का सीधा असर हमारी रात की नींद पर पड़ता है। इसलिए बिस्तर पर जाने से पहले अपने दिमाग को रिलैक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप गहरी सांसें ले सकते हैं, थोड़ा मेडिटेशन कर सकते हैं या फिर हल्का योग कर सकते हैं।

अपने बेडरूम को बनाएं 'रिलैक्सिंग जोन'

आपका बेडरूम ऐसा होना चाहिए जहां कदम रखते ही आपको शांति का अहसास हो, न कि काम या तनाव की याद आए। कमरे में साफ-सफाई रखें, बिस्तर आरामदायक हो और रोशनी बिल्कुल हल्की हो। तेज रोशनी और ज्यादा शोर-शराबा नींद में खलल डालने का काम करते हैं।

दिन में रहें एक्टिव, रात में करें आराम

अगर आप दिन के समय हल्की एक्सरसाइज या वॉक करते हैं, तो शरीर प्राकृतिक रूप से थकता है और रात को बहुत अच्छी नींद आती है। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि सोने से ठीक पहले कोई भी भारी वर्कआउट न करें, क्योंकि ऐसा करने से शरीर रिलैक्स होने के बजाय दोबारा एक्टिव हो जाता है।

दिन की नींद पर रखें लगाम

दोपहर के समय बहुत लंबी नींद लेने से आपकी रात की नींद खराब हो सकती है। अगर आपको दिन में थकान महसूस हो रही है, तो सिर्फ 20 से 30 मिनट की एक 'पावर नैप' लें। इससे आपका शरीर तरोताजा भी हो जाएगा और रात में सोने में कोई परेशानी भी नहीं होगी।

आज का राशिफल

मेष : यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन : आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क : आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। थकान व कमजोरी रहेगी।

सिंह : नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। सोच-समझकर निवेश करें.

कन्या : बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बैचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा। शत्रु पस्त होंगे।

वृश्चिक : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मकर : मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी से कहासुनी हो सकती है।

कुंभ : व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन : उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर की बालकनी में उगा सकते हैं 'ड्रैगन फ्रूट'?

बाजार में मिलने वाले ड्रैगन फ्रूट अपनी बनावट, स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के कारण खूब पसंद किए जाते हैं। आमतौर पर लोग मानते हैं कि इस फल को घर पर नहीं उगाया जा सकता, लेकिन इसे आप अपनी छत या बालकनी में गमले में भी आसानी से उगा सकते हैं। हालांकि, ड्रैगन फ्रूट उगाने के लिए आपको इसका पौधा लगाने का सही तरीका मालूम होना चाहिए। आइए जानें कैसे आप गमले में ड्रैगन फ्रूट उगा

कैसे उगाते हैं ड्रैगन फ्रूट?

ड्रैगन फ्रूट का पौधा दो तरीकों से उगाया जा सकता है। एक फल के बीज से और दूसरा कटिंग करके। बीज से उगाया गया पौधा फल देने में 3-5 साल तक का समय लेता है। वहीं, कटिंग पौधा उगाने का सबसे तेज और आसान तरीका है। किसी भी हेल्दी ड्रैगन फ्रूट के पौधे से ली कई कटिंग से उगाया गया पौधा 1-2 साल में फल देना शुरू कर देता है।

गमला और मिट्टी तैयार करें

ड्रैगन फ्रूट कैक्टर प्रजाति का एक पौधा है। इसलिए इसे ऐसी मिट्टी चाहिए होती है, जिसमें पानी जमा न हो। साथ ही, पौधे का भार संभालने के लिए बड़े और चौड़े गमले का इस्तेमाल करें। ड्रैगन फ्रूट के पौधे की मिट्टी बनाने के लिए 50% नॉर्मल बगीचे वाली मिट्टी, 30% बालू या कोकोपीट और 20% गोबर की खाद मिलाएं। ये मिट्टी पानी को होल्ड नहीं करेगी, जो ड्रैगन फ्रूट के पौधे के लिए जरूरी है।

कैसे लगाएं पौधा?

गमले की मिट्टी में 2-3 इंच गहराई में कटिंग लगाएं। इस बात का ध्यान रखें कि ड्रैगन का पौधा बेल जैसा होता है। इसलिए उसे सपोर्ट की जरूरत होती है। इसलिए गमले के बीच में कोई लकड़ी लगा दें, ताकि पौधे को सपोर्ट मिल सके।

कमजोर और पतले बालों के लिए रामबाण है एलोवेरा-गुड़हल तेल

इसे बनाने और लगाने का सही तरीका

हर छोटी-छोटी बातों पर लिया जाने वाला तनाव, प्रदूषण, खराब खानपान जैसी बहुत सी बातें बालों के झड़ने के लिए जिम्मेदार होती हैं। इसके लिए कुछ लोग आसान उपाय के तौर पर बाजार में मिलने वाले महंगे हेयर प्रोडक्ट्स की तरफ भागते हैं, जबकि समाधान घर पर भी निकाला जा सकता है। अगर आप बरसात के मौसम में बालों के झड़ने से परेशान हैं तो एलोवेरा और गुड़हल से बना तेल बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है, आइए जानें इसे बनाने की विधि।

एलोवेरा और गुड़हल का तेल

एलोवेरा और गुड़हल के फूल दोनों ही नेचुरल चीजें हैं और इनसे बना तेल बालों का झड़ना बहुत हद तक कम कर सकता है। इनमें मौजूद पोषक तत्व बालों को सही पोषण देकर उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। इसके साथ बाल जड़ से मजबूत होने के साथ शाइनी भी दिखने लगते हैं। यहां एलोवेरा और गुड़हल का तेल बनाने की विधि बताई जा रही है:

सामग्री

- 250 ग्राम नारियल का तेल
- 5-6 गुड़हल के फूल
- 1 मीडियम साइज एलोवेरा का टुकड़ा

विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले गुड़हल के फूलों को धोकर सुखा लें। अब एलोवेरा के छोटे-छोटे टुकड़े करके उसमें से पल्प निकाल लें। एक भारी सी कड़ाही लें और उसमें नारियल का तेल डालें। इस तेल में गुड़हल के फूल और एलोवेरा का ताजा पल्प मिला देना है। गैस की आंच एकदम धीमी करके इसे धीरे-धीरे उबलने दें। यह प्रोसेस एलोवेरा और गुड़हल के पोषण को तेल में समाने में मदद करेगा। इस तेल को 10-15 मिनट तक तब तक गर्म करना है जब तक एलोवेरा जेल पूरी तरह से सूख न जाए। जब ऐसा लगे कि तेल में डाली चीजों का रंग बदल रहा है, खासकर भूरा या

काला हो रहा है तो समझें कि तेल बस तैयार है। गैस से उतारकर इसे ठंडा होने के रख दें। इस बात का खास ध्यान रखें की आंच तेज न हो क्योंकि इससे दोनों के पोषण खत्म हो जाते हैं। ठंडा होने के बाद तेल को छलनी से छान लें। आपका स्पेशल गुड़हल और एलोवेरा का तेल तैयार है।

कैसे लगाएं?

इस तेल को हफ्ते में दो बार शैंपू करने से पहले लगाएं। शैंपू से एक दिन पहले यानी रात को तेल लगाकर सिर की हल्के हाथ से मालिश करें और अगली सुबह हेयर वॉश कर लें।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेटे को उम्रकैद की सजा मिलते ही मां की सदमे में मौत; सावित्री हत्याकांड में विपिन दोषी है

मेरठ. मेरठ में जिला पंचायत सदस्य मीतन की मां सावित्री देवी की हत्या में सजा पाने वाले एक आरोपी विपिन की मां की सदमे में मौत हो गई है। वो कैंसर पीड़ित थी और बीमार चल रही थी। शुक्रवार को हत्याकांड में कोर्ट ने जैसे ही पांच आरोपियों को दोषी करार दिया, विपिन की मां की हालत और बिगड़ गई और शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। सरूरपुर के हसनपुर रजापुर गांव निवासी चेतन की 13 जुलाई 2016 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को गांव निवासी कुख्यात अपराधी सुमित जाट और साथियों ने अंजाम दिया था। चेतन की हत्या में उसकी मां सावित्री देवी चश्मदीद गवाह और वादी थी। तीन फरवरी 2018 को गांव के बाहर खेतों पर सावित्री देवी की गोलियों से भून दिया था और 8 फरवरी को मौत हो गई थी। तुरंत बाद 12 फरवरी 2018 को सावित्री देवी के दामाद बबलू निवासी गांव झिटकरी सरधना की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

11 साल के बेटे ने धारदार हथियार से पिता पर किए कई वार, चीख पुकार पर दौड़े लोग, फिर..

गोंडा. यूपी के गोंडा जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना देहात कोतवाली क्षेत्र से सामने आई है । बेसिया चैनग्राम पंचायत के भट्ठा गांव में एक 11 वर्षीय बेटे ने मामूली कहासुनी के बाद खेत में सोए 45 वर्षीय पिता पर गड़ासे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख पुकार सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल पिता को अनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में ले जाकर भर्ती करवाया। डॉक्टरों के मुताबिक पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।, वहीं आरोपी बेटा वारदात के बाद से फरार है। गांव निवासी पिता बिशन लाल चौहान रविवार को अपने 14 वर्षीय बड़े बेटे को मजदूरी के लिए बाहर भेजने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान छोटे बेटे ने जिद की कि उसे भी साथ ले जाया जाए। पिता के मना करने पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

बर्थडे पार्टी के बाद युवक की हत्या, 3 दिन बाद मिली लाश, रिश्तेदारों से पूछताछ

मेरठ. मेरठ के कंकरखेड़ा में 23 जुलाई को बर्थडे पार्टी के बाद एक युवक की हत्या कर लाश गायब कर दी गई। रविवार सुबह भोला रोड पर युवक की सड़ी गली लाश डेडिक्रेटेड फ्रैट कॉरिडोर के पास खेत में बरामद हो गई। परिजनों का आरोप है कि युवक अपने बड़े भाई के रिश्तेदारों के साथ पार्टी करने गया था। उन्होंने ही हत्या कर लाश खेत में फेंक दी। शव मिलने की सूचना पर पुलिस अधिकारी, फोरेंसिक टीम और थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कंकरखेड़ा में सरधना रोड तीर्थ कुंज कॉलोनी में रजत और शुभम अपनी मां राकेश कुमारी के साथ रहते हैं, जबकि इनका बड़ा भाई विक्की रोहटा रोड पर ड्रीम सिटी कॉलोनी में अपनी पत्नी निशा और बच्चों के साथ रहता है। रजत सुभारती पुलिस चौकी के पास जेडएसएम कंपनी में अकाउंटेंट था। 23 जुलाई को विक्की के रिश्ते के दोनों साले राहुल और नितिन (रजत की भाभी निशा के चचेरे भाई) रजत के घर पहुंचे। इसके बाद रजत ने ऑफिस से छुट्टी ली और कंपनी में ही साथ काम करने वाले साथी जय कुमार का जन्मदिन मनाने राहुल और नितिन के साथ घर से साथ निकला। रजत, जय कुमार, नितिन और राहुल सभी भोला रोड पर बंद पड़े पेट्रोल पंप पर पहुंचे। यहीं पर चारों ने शराब पार्टी की और खाना पीना किया।

गडकरी बोले-पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं

- यह पेट्रोलियम मंत्रालय से जुड़ा
- डीपफेक वीडियो पर मेटा-एक्स पर केस करेंगे
- कोर्ट की मंजूरी

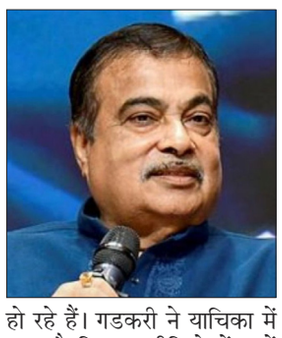

मुंबई. केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं।

दरअसल मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं।

सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी

इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिका में कहा गया है कि इसका मकसद जनता को किसी भी सरकारी फैसले पर निष्पक्ष बहस या आलोचना से रोकना नहीं है।

गडकरी का तर्क है कि सोशल मीडिया पर मौजूद कंटेंट पूरी तरह से झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। याचिका के मुताबिक, अज्ञात लोगों ने एआई वीडियो के जरिए यह गलत धारणा फैलाई कि गडकरी और उनका परिवार ईबीपी और ई20 पहल से लाभ कमा रहा है।

भारत में क्यों हो रहा है E20 पेट्रोल का विरोध?

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

संसद मार्च में RAF जवान ने पैलेट गन चलाई

- 7 में से 5 राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे
- CRPF की जांच में खुलासा

नई दिल्ली. दिल्ली में 20 जुलाई को हुए 'संसद चलो' मार्च के दौरान RAF के एक जवान ने अपनी पैलेट गन से कुल सात राउंड फायर किए थे। CRPF की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इनमें से पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो जमीन पर लगे। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

जांच के मुताबिक, जवान की तैनाती कनॉट प्लेस इलाके में थी। सूत्रों का कहना है कि फायरिंग उस समय की गई, जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया और पथराव शुरू कर दिया था। इससे पहले CRPF ने जांच की है कि कार्रवाई के दौरान RAF कर्मियों ने पैलेट गन का इस्तेमाल किया था या नहीं। इस घटना में कम से कम तीन लोग पैलेट लगने से घायल हुए थे। इनमें गुरुग्राम में काम करने वाले 25 वर्षीय इरशाद शेख, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 19 वर्षीय छात्र साहिल लोछाब और एक मैगजीन के 28 वर्षीय पत्रकार शामिल हैं। तीनों का अस्पताल में इलाज कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, RAF कर्मियों की लॉग एंट्री की जांच के दौरान पता चला कि कुल सात पैलेट राउंड चलाए गए थे। इनमें से पांच प्रदर्शनकारियों को लगे और दो जमीन पर लगे।

CJP के प्रोटेस्ट में दिखे करीब 3 हजार रेप और हत्या के आरोपी

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ-साथ 3 हजार के करीब आपराधिक बैकग्राउंड वाले लोग भी शामिल थे। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच विरोध प्रदर्शन वाली जगह पर आपराधिक बैकग्राउंड वाले 2873 लोग मौजूद थे। इन अपराधियों की पहचान फेशियल रिकग्निशन सिस्टम और तकनीकी तरीकों से की गई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये लोग जंतर-मंतर और नई दिल्ली के आस-पास हुई हिंसा में शामिल थे या नहीं।

AK-47 से फायरिंग करनेवाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

- SP के बॉडीगार्ड ने भीड़ की ओर चलाई थी गोलियां
- SC पहुंचा मामला
- राहुल बोले- जानलेवा सिस्टम

नई दिल्ली. छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ। 11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई। सबसे ज्यादा हंगामा सीवान में हुआ। जहां प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई।

अब इस मामले में कार्रवाई हुई है, सीवान में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान AK-47 से फायरिंग करने वाले SP पूरन झा के बॉडीगार्ड अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है। अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने जनहित याचिका दायर की है। मामले पर कल सुनवाई होगी।

पूरे मामले पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए X पर लिखा- पूरा सिस्टम ही जानलेवा है। इधर, CJP के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने कहा है कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीधी डायरेक्शन में AK-47 से फायरिंग

छात्र संगठनों के बिहार बंद और विरोध-प्रदर्शन के दौरान सीवान में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी। प्रदर्शन के बीच SP पूरन झा के बॉडीगार्ड ने भीड़ की दिशा में AK-47 से फायरिंग की, जिसका वीडियो भी सामने आया।

वीडियो सामने आते ही पुलिस की कार्रवाई और बल प्रयोग पर सवाल उठने लगे। मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस मुख्यालय ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की।

प्रारंभिक जांच में वीडियो की पुष्टि होने के बाद संबंधित जवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2 घंटे पथराव-लाठीचार्ज चलता रहा

25 जुलाई को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर पथराव और लाठीचार्ज हुआ। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारी गांधी मैदान में बने मंच पर चढ़ गए। वहां से पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले छोड़े। फिर लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।

पुलिस कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से निकलकर शहर के विभिन्न इलाकों में फैल गए। पथराव में SP पूरन झा के हाथ में चोट आई।

प्रधान बोले-स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं

- संसद पहुंचने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था- ऐसा होता रहता है

नई दिल्ली. पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और NDA सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, 'मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं।'

प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कॉकरोच जनता पार्टी ने NEET पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए 36 दिन से जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

प्रधान का स्वागत करने पर कांग्रेस ने BJP की आलोचना की

कांग्रेस ने सोमवार को संसद भवन परिसर में पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत करने पर BJP की कड़ी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि यह पूरी घटना बेहद शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है।

भाजपा के दफ्तर पर बम से हमला, मची अफरा-तफरी

संगरूर. देशभर में पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर जारी बवाल के बीच पंजाब से बड़ी खबर सामने आई है। यहां राज्य के संगरूर जिले में भाजपा के दफ्तर पर बड़ा हमला हुआ है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां उप्पली रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी के ज़िला कार्यालय को असामाजिक तत्वों ने पेट्रोल बम फेंककर निशाना बनाया। हालांकि इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, हमलावर ने बियर की बोतल को पेट्रोल बम बनाकर बीजेपी दफ्तर की बाहरी दीवार की तरफ फेंक दी। घटना रविवार देर रात करीब 3 बजे की बताई जा रही है। पेट्रोल बम दफ्तर की दीवार से टकराकर फूट गया, जिससे वहां आग लगने की भी खबर है। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि दीवार पर आग लगने के निशान देखे गए हैं। सोमवार सुबह जब कार्यकर्ता दफ्तर खोलने पहुंचे, तब इस घटना का खुलासा हुआ और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

> पूरे देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए एक समान नियम (प्रोटोकॉल) और तय जगह होनी चाहिए, ताकि लोग शांति से अपनी बात रख सकें।
>
> **जस्टिस सूर्यकांत**
> चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया

- आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार
- प्रोटोकॉल तय हो
- पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता।

कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है।

अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च से जुड़ी हैं।

सोनम वांगचुक अस्पताल से डिस्चार्ज होकर राजघाट पहुंचे

- बापू को श्रद्धांजलि दी
- बोले- हिंसा से मामला बिगड़ता, इसलिए समय से पहले अनशन खत्म किया

नई दिल्ली. गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सोमवार को डिस्चार्ज हो गए। दोपहर 1:45 बजे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह अपनी पत्नी डॉ. गीतांजलि के साथ दिल्ली के राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

मीडिया से बातचीत में सोनम वांगचुक ने कहा, 'मैं देश को बताना चाहता हूं कि बापू का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही सही और प्रासंगिक है, जितना 100 साल पहले था। शांतिपूर्ण आंदोलन के कारण हमारी जीत हुई है। हिंसा होती तो मामला बिगड़ सकता था। इसलिए मैंने समय से पहले अनशन खत्म किया।'

वांगचुक लद्दाख से जुड़े मुद्दों और NEET पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 26 दिनों तक अनशन पर बैठे थे। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था।

सोनम वांगचुक ने कहा- कई लोग कहते रहे कि ऐसे शासन में गांधी जी का रास्ता काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी समझ है कि यह रास्ता सरकार से ज्यादा जनता के दिल तक पहुंचता है। सरकार हमारी बात सुने या न सुने, लेकिन जनता जरूर सुनती है। मैंने गांधी जी के इस प्रयोग को सफल होते देखा है। इससे पहले हमने लद्दाख में भी उनके बताए रास्ते पर चलकर आंदोलन किया था।

चानू ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया

- 190 kg वजन उठाया, लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं
- ऋषिकांत और मुथुपांडी को सिल्वर

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 kg वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाया। भारतीय वेटलिफ्टर ने स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो वजन उठाया। मीराबाई का यह लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गोल्ड है। उन्होंने 2018 के गोल्डकोस्ट और 2022 के बर्मिंघम गेम्स में भी गोल्ड जीता था। वे ग्लासगो गेम्स 2014 में सिल्वर भी जीत चुकी हैं।

रविवार को ही ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 kg और राजा मुथुपांडी ने मेंस 65 kg वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किए। ऋषिकांत ने 264 kg (121+143) और राजा ने 286 kg (126+160) वजन उठाया। झंडू कुमार ने शुक्रवार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सगो गेम्स में भारत के अब 4 मेडल (1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। भारत मेडल टैली में आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 17 गोल्ड सहित 39 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

चानू ने गेम्स रिकॉर्ड बनाया

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई स्नैच के पहले प्रयास में 82 किलो वजन नहीं उठा पाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे में 82 और तीसरे में 85 किलो उठाकर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बना दिया। चानू क्लीन एंड जर्क में भी पहला प्रयास चूक गईं। उन्होंने दूसरे प्रयास में 105 किलो उठाकर गोल्ड अपने नाम किया।

ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स

यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स था। उन्होंने ग्लासगो में पुरुषों के 60kg वेट में सिल्वर मेडल जीता। गोल्ड मलेशिया के अनीक कसदान के नाम रहा। इससे पहले वह बर्मिंघम 2022 में 55kg वेट में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ऋषिकांत मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं।

जल्द जारी होंगे 10 और 20 रु. के प्लास्टिक नोट

- सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली. देश में जल्द ही 10 और 20 रु. के प्लास्टिक (पॉलिमर) नोट देखने को मिल सकते हैं। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 10 और 20 रु. के 100-100 करोड़ पॉलिमर नोट परीक्षण (Field Trial) के लिए जारी किए जाएंगे। अगर यह ट्रायल सफल रहता है, तभी इन नोटों को बड़े स्तर पर जारी करने पर फैसला लिया जाएगा। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया कि वित्त मंत्रालय ने RBI के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। फिलहाल, यह सिर्फ एक पायलट प्रोजेक्ट है, ताकि यह देखा जा सके कि भारतीय मौसम और परिस्थितियों में प्लास्टिक नोट कितने टिकाऊ और उपयोगी साबित होते हैं।

RBI का मानना है कि पॉलिमर नोट सामान्य कागज के नोटों की तुलना में ज्यादा मजबूत और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं। कई देशों में पहले से ही प्लास्टिक नोटों का इस्तेमाल हो रहा है और वहां इनके बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं। यही वजह है कि भारत भी अब इस तकनीक को परखना चाहता है।

हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि कागज के नोट बंद नहीं किए जाएंगे। प्लास्टिक नोट आने का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा नोट चलन से बाहर हो जाएंगे। अगर ट्रायल सफल रहता है, तो पॉलिमर और पेपर दोनों तरह के नोट एक साथ प्रचलन में रहेंगे।

सरकार ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि प्लास्टिक नोटों के आने से डिजिटल पेमेंट पर कोई असर पड़ेगा या नहीं। इस बारे में कोई निष्कर्ष तभी निकाला जा सकेगा, जब ये नोट आम लोगों के बीच नियमित रूप से चलन में आ जाएंगे। RBI का कहना है कि कैश और डिजिटल पेमेंट दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और आने वाले समय में दोनों का इस्तेमाल साथ-साथ जारी रहेगा, यानी UPI, कार्ड और ऑनलाइन पेमेंट के साथ-साथ नकद लेनदेन की भी अपनी अहम भूमिका बनी रहेगी।

महाराष्ट्र में NEET छात्रा का सुसाइड

- CJP-आंदोलन के बाद पहला केस
- नोट में लिखा- सपना अधूरा रह गया
- अब तक 23 स्टूडेंट ने जान दी

अहिल्यानगर. महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया।

परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। NEET एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। NEET मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

अंकिता को री-एग्जाम में 166 मार्क्स मिले

अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए। अंकिता ने भाई को लिखा कि मम्मी-पापा को संभालना। उन्होंने काफी त्याग किया, लेकिन मैं सपना पूरा नहीं कर सकी।

पिता बोले- अंकिता ने नीट की अच्छी तैयारी की थी

अंकिता ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उसके पिता सुरेश सांगले ने बताया कि अंकिता ने नीट की अच्छी तैयारी की थी और शुरुआती परीक्षा में उसके अच्छे अंक आए थे। हालांकि, परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं के बाद वह तनाव में चली गई थी।

चाय को लेकर भी 'आत्मनिर्भर' बनेंगे सरकारी दफ्तर

- केंद्र सरकार ने मंत्रालयों को दिए निर्देश

नई दिल्ली. सरकार ने सभी मंत्रालयों को निर्देश दिए हैं कि बैठकों और कैंटीन में 'सरकारी चाय' का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र ने कहा है कि अपने देश की 'युले टी' लोगों को पिलाई जाए और इसकी शुरुआत पहले सरकारी दफ्तरों से की जाए। बता दें कि एंड्यू युले ऐंड कंपनी लिमिटेड एक सरकारी कंपनी है जो कि चाय का उत्पादन करती है। इसकी फैक्ट्री कोलकाता में है।

केंद्र सरकार के इस निर्देश को 'आत्मनिर्भर चाय' के रूप में देखा जा रहा है। भारी उद्योग मंत्रालय ने सभी अन्य मंत्रालयों को निर्देश दिए हैं कि युले टी लोगों को पिलाई जाए। बता दें कि चाय की यह कंपनी वित्तीय परेशानियों से जूझ रही है। यह कंपनी दार्जीलिंग, असम और द्वार की प्रीमियम क्वालिटी की चाय का उत्पादन करती है। भारी उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि संबंधित विभागों और अन्य संगठनों को भी निर्देश दिए जाएं कि वे कैंटीन और ऑफिस मीटिंग, कॉन्फ्रेंस, समारोह, डिपार्मेंटल कार्यक्रमों के दौरान युले चाय लोगों को पिलाएं।

संक्षेप...

नमो सहकार टैक्सी योजना से ड्राइवरों को मालिकाना हक

ठाणे. राष्ट्रीय स्तर की सहकारिता योजना से जुडी 'भारत टैक्सी' (सहकार टैक्सी) सहकारिता योजना के तहत महाराष्ट्र में नमो सहकार टैक्सी योजना' (नमो सहकारी टॅक्सी) योजना शुरू की गयी है. जिसका उद्देश्य ड्राइवरों को बिचौलियों और निजी कंपनियों के शोषण से मुक्त कराना तथा सीधा लाभ पहुंचाना है. भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं विधान परिषद सदस्य निरंजन डावखरे ने कहा है कि 'नमो सहकार टैक्सी' योजना का मकसद टैक्सी ड्राइवरों को सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर के बजाय कोऑपरेटिव सोसाइटी का पार्टनर बनाना है. देवदत्त सहकारी वाहतूक व पर्यटन संस्था, मुंबई एवं भाजपा, ठाणे के संयुक्त संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टैक्सी चालक-मालक सम्मेलन को संबोधित करते हुए डावखरे ने कहा कि इस योजना में हिस्सा लेने वाले हर ड्राइवर को सोसाइटी के पांच शेयर दिए जाएंगे.

तीन हाथ नाका पर जाम से मिलेगी निजात

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रखी 200 करोड़ की यातायात परियोजना की आधारशिला

ठाणे. डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर तीन हाथ नाका इलाके में 200 करोड़ रुपये के ट्रैफिक सुधार प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने कहा कि बहुत कॉम्प्लेक्स इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी की मदद से बन रहे इस प्रोजेक्ट से तीन हाथ नाका पर ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री शिंदे ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए अवसंरचना को तेज गति से विकसित करने के नजरिये के साथ काम करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं को औपचारिक उद्घाटन में होने वाली देरी का इंतजार किए बिना आगे बढ़ना चाहिए. तीन हाथ नाका पर यातायात जाम को कम करने और सुधार परियोजना को यूरोप के शहरी अवसरंचना परामर्शदाताओं की सलाह से तैयार किया गया है. इसमें पानी, गैस और ईंधन पाइपलाइन जैसी जटिल भूमिगत अवसंरचना का मानचित्रण किया गया है ताकि वाहनों को आसानी से दूसरे रास्ते से भेजा जा सके.

शहर का तीन हाथ नाका शहर में सबसे ज्यादा जाम वाले स्थानों में से एक है, जहां सात अलग-अलग दिशाओं से वाहन आते हैं. काम पूरा होने के बाद, तीन हाथ नाका पर सिग्नल का इंतजार करने का समय - जिसे अक्सर एशिया के सबसे लंबे सिग्नल इंतजार के समय में से एक माना जाता है - घटकर 15 सेकंड रह जाएगा. इससे मुंबई, नाशिक , नौपाडा, वागले इस्टेट , कोपरी और ठाणे के प्रस्तावित नए रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी.

शिंदे ने ठाणे कोस्टल रोड और ईस्टर्न फ्रीवे एक्सटेंशन परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि एक एलिवेटेड कॉरिडोर, ईस्टर्न फ्रीवे एक्सटेंशन को छेड़ा नगर से सीधे आनंद नगर, साकेत, गायमुख और फाउंटेन होटल होते हुए जोड़ेगा. उन्होंने कहा कि इस रिंग और बाईपास का उद्देश्य अहमदाबाद, जेएनपीटी और मुंबई से आने वाले भारी वाणिज्यिक वाहनों और अंतर-शहरी यातायात को शहर के भीतर की सड़कों से दूर रखना है. जिससे शहर के अंदर यातायात जाम और गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण में काफी कमी आएगी.

उद्घाटन कार्यक्रम में विधान परिषद के उप सभापति सचिन अहिर, सांसद नरेश म्हस्के, विधायक रवींद्र फाटक, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, सभागृह नेता हणमंत जगदाले, शिवसेना गुट नेता पवन कदम, स्थानीय नगरसेवक अमित सरैया, , सुरेश कांबले, नगरसेविका अनीता यादव, यज्ञा भोईर, एकता भोईर, योगेश जानकर, प्रशांत जाधव, पूर्व नगरसेवक एकनाथ भोईर, अतिरिक्त मनपा आयुक्त संदीप मालवी, परिवहन समिति के पूर्व अध्यक्ष दशरथ यादव, विकास ढोले, कार्यकारी अभियंता अतुल कुलकर्णी वगैरह मौजूद थे.

बताया गया कि परियोजना के लिए ज़रूरी ज़मीन उपलब्ध कराने हेतु 2018 में एमआईडीसी से बात की गई थी. उसके बाद, संबंधित ज़मीन मनपा के कब्ज़े में आ गई, और यह योजना लागू हो सकी. इससे इंदिरानगर, रूपादेवी पाड़ा, साठेनगर, हनुमान नगर, वाल्मीकि पाड़ा, श्रीनगर, किसन नगर, भटवाड़ी, शांतिनगर, वारली पाड़ा, रामनगर, सीपी तलाव, जूना गांव , कैलाशनगर और आस-पास के इलाकों के हज़ारों लोगों को फ़ायदा होगा. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह लोगों को नियमित और भरपूर पानी आपूर्ति के लिए आगे भी कटिबद्ध रहेंगे.

TET परीक्षा पेपर लीक मामला

एक आरोपी ने भिवंडी कोर्ट में किया सरेंडर

भिवंडी. TET परीक्षा पेपर लीक मामले में फरार चल रहे एक आरोपी ने सोमवार को अचानक भिवंडी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट में पेश हुए आरोपी की पहचान सोनू कुमार के तौर पर हुई है। इस गिरफ्तारी के साथ ही, इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 15 हो गई है।

तय परीक्षा से ठीक दो दिन पहले TET परीक्षा का पेपर लीक होने से पूरे महाराष्ट्र और देश में हड़कंप मच गया था। तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद, 26 जून को भिवंडी डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (ज़ोन) इलाके में सबसे पहले मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले, इस अपराध के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका था, जिनमें कथित मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता भी शामिल था। गिरफ्तार लोगों में से 12 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि बिजेंद्र गुप्ता और इंद्रजीत सिंह (उर्फ पिकू) पुलिस हिरासत में हैं। मुख्य आरोपी माने जा रहे सोनू कुमार पुलिस से बचकर भाग रहे थे। हालांकि, मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा पकड़े जाने के डर से, उन्होंने आखिरकार भिवंडी कोर्ट में पेश होकर सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने सोनू कुमार को पुलिस हिरासत में भेज दिया है और पुलिस को इस मामले में अपना बयान देने का आदेश दिया है। इस बीच, सुमन कुमारी गुप्ता, नरेश कुमार, संजय कुमार शर्मा और मिथुन कुमार—जो अभी न्यायिक हिरासत में हैं—ने भिवंडी कोर्ट में ज़मानत के लिए अर्ज़ी दी है; आरोपियों के वकील एड. शैलेश गायकवाड़ के अनुसार, इन अर्ज़ियों पर सुनवाई बुधवार को होनी है।

बिजेंद्र कुमार गुप्ता को 5 दिन की पुलिस हिरासत में

मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा भिवंडी . महाराष्ट्र TET पेपर लीक के मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता और उसके एक सहयोगी को कोर्ट ने 30 जुलाई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों के वकील ने कहा, इस मामले में पहले ही 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच के मुताबिक ये लोग लीक हुए पेपर को बेचने में शामिल थे। उनके कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और वॉट्सऐप के जरिए उनपर शक हुआ और पुलिस पहुंच गई। बिजेंद्र गुप्ता पर धोखाधड़ी का एक मामला ओडिशा में भी दर्ज है।

सिंघानिया स्कूल के सामने खतरनाक सड़क बनी सुरक्षित!

- 22 मीटर लंबे और 40 mm चौड़े एक्सपेंशन जॉइंट की तुरंत मरम्मत; टू-व्हीलर वालों के लिए बड़ी राहत

ठाणे। सिंघानिया स्कूल के सामने पुरानी सड़क पर खराब एक्सपेंशन जॉइंट को मनपा सार्वजनिक बांधकाम विभाग और आपदा प्रबंधन सेल के तालमेल से तुरंत ठीक किया गया। इससे इस रास्ते पर अक्सर होने वाले टू-व्हीलर एक्सीडेंट पर रोक लगी है और टू-व्हीलर चलाने वालों को बड़ी राहत मिली है। सिंघानिया स्कूल के सामने पुरानी सड़क पर 22 मीटर लंबा और 40 mm चौड़ा एक्सपेंशन जॉइंट खराब हो गया था। इससे सड़क के बीच में दरार आ गई थी। इस जगह से गुजरते समय कई टू-व्हीलर गिर जाते थे। खासकर मानसून के दौरान यह समस्या और गंभीर हो गई थी।जब कुछ पत्रकारों ने ठाणे

आपदा प्रबंधन सेल के अधिकारी वाई. एम. तड़वी को इस मामले की जानकारी दी, तो तड़वी ने तुरंत पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट से तालमेल किया। इसके बाद पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया और बिना किसी देरी के रिपेयर का काम शुरू कर दिया। 22 मीटर लंबे और 40 mm चौड़े एक्सपेंशन जॉइंट की रिपेयर कुछ ही समय में पूरी हो गई। रिपेयर के बाद सड़क फिर से सुरक्षित और चिकनी हो गई है और ड्राइवरों को राहत मिली है। नगर पालिका के दो डिपार्टमेंट के तालमेल से किए गए इस ज़रूरी काम से होने वाले हादसों को टालने में मदद मिली है। इसके लिए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रणधीर राणे, संदीप गायकवाड़, किरण भोये आदि ने बहुत मेहनत की।

कचरा फेंकने वाली जगहों पर बने 'सीसीटीवी निगरानी बूथ'

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने BMC को दिया निर्देश

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि लोग जिन सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेकने के आदि है। वहाँ सीसीटीवी निगरानी बूथ जैसी तकनीक का इस्तेमाल किया जाए। महानगर के हर बाजार और उसके आसपास के इलाकों में ऐसे बूथ बनाएं जाए। ताकि वहां स्वच्छता और साफ सफाई बनी रहे। कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित हो कि नाले कचरे की छोटी डंपिंग साइट न बने। नालों को ढकने के लिए बीएमसी प्रभावी कदम उठाए। ताकि मुंबई को जलजमाव की

स्थिति से बचाया जा सके।

कोर्ट ने यह फैसला कंजूरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से निकलने वाली दुर्गंध के मुद्दे से जुड़ी याचिका पर सुनाया है। कन्नमवार नगर को-ऑपरेटिव सोसायटी ने यह याचिका दायर की थी। अदालत के हस्तक्षेप के बाद काफी हद तक दुर्गंध पर काबू पाने में बीएमसी को सफलता मिली है।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने फैसले में शहर को साफ सुथरा रखने में प्रशासन के साथ साथ यहां के नागरिकों को भी उनकी जिम्मेदारी भी याद दिलाई है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकों के अनुशासन के बिना सड़कों और फुटपाथ को साफ सुथरा रख पाना संभव नहीं है। बीएमसी कमिश्नर यह सुनिश्चित करें कि हर वार्ड की सड़कों, गलियों, फुटपाथों और सार्वजनिक उपयोग की अन्य जगहों पर कूड़ा-कचरा न हो। सभी वार्डों में कूड़े को व्यवस्थित ढंग से जमा करने और उसे उठाने की व्यवस्था तुरंत लागू हो।

पडघा केंद्र स्कूल में आषाढ़ी एकादशी पालकी-दिंडी संपन्न

भिवंडी. आषाढ़ी एकादशी के मौके पर, भिवंडी तालुका के पडघा जिला परिषद केंद्र स्कूल में पारंपरिक पालकी-दिंडी सेरेमनी का आयोजन जोश के साथ किया गया. यह एक्टिविटी, जिसमें स्टूडेंट्स को वारकरी कल्चर से इंट्रोड्यूस कराते हुए एनवायरनमेंट बचाने का सोशल मैसेज दिया गया, भक्ति और प्रेरणा देने वाले माहौल में हुई.

इस मौके पर, स्टूडेंट्स ने वारकरी कॉस्ट्यूम पहने और ताल-मृदंग की धुन पर, 'ज्ञानोबा-तुकाराम' और 'पांडुरंग हरि' का जाप करते हुए स्कूल कैंपस से पालकी-दिंडी निकाली. विट्ठल-रुक्मिणी की तस्वीर के साथ निकाली गई इस शोभायात्रा में स्टूडेंट्स ने अभंग गाए और पूरे इलाके को भक्ति में डुबो दिया. प्रोग्राम के दौरान, स्टूडेंट्स को संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम और वारकरी संप्रदाय के संतों के कामों से इंट्रोड्यूस कराया गया. वारी परंपरा, अनुशासन, भक्ति, समानता, भाईचारा के महत्व का संदेश स्टूडेंट्स तक अच्छे से पहुंचाया गया।

इस मौके पर, 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ' का संदेश देने वाले अलग-अलग अवेयरनेस बोर्ड दिखाए गए। स्टूडेंट्स ने हाथों में पर्यावरण बचाने का संदेश लेकर वारी परंपरा के साथ-साथ पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। इस एक्टिविटी के ज़रिए यह संदेश भी दिया गया कि हर नागरिक को पेड़ बचाने, साफ़-सफ़ाई और पर्यावरण बचाने की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए।

पालकी-दिंडी समारोह में प्रिंसिपल, टीचर्स, नॉन-टीचिंग स्टाफ़ और स्टूडेंट्स ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। विट्ठल नाम के लगातार जाप से पूरा स्कूल परिसर भक्तिमय माहौल से भर गया।

भिवंडी शहर में चल रहे अवैध स्कूलों पर मनपा शिक्षा विभाग सख्त

5 स्कूल संचालकों पर केस दर्ज

भिवंडी. भिवंडी शहर में चल रहे अनधिकृत स्कूलों पर आखिरकार मनपा प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दिया है। प्रतिबंध के बावजूद शहर में अवैध स्कूल चला रहे पांच स्कूल प्रबंधकों के खिलाफ मनपा शिक्षा विभाग द्वारा शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है। जिसे लेकर अन्य अवैध विद्यालयों के संचालकों में हड़कंप मच गया है।

बता दें कि भिवंडी मनपा शिक्षण विभाग के प्रशासनाधिकारी ने 7 अप्रैल को शहर में बिना किसी प्रकार इजाजत चल रहे 21 अनधिकृत विद्यालयों की सूची जारी किया था। जिसमे सबसे ज्यादा 15 स्कूल इंग्लिश मीडियम व 5 उर्दू विद्यालय व एक मराठी विद्यालय शामिल है।

मनपा शिक्षण विभाग ने मनपा क्षेत्र में अनिधिकृत घोषित स्कूलों में अपने बच्चों को दाखिल न कराने की अपील भी किया था और अवैध स्कूलों अतिशीघ्र बंद करने का आदेश दिया है।

इतना ही नही अवैध स्कूल संचालकों को चेतावनी दी गई थी कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी शिक्षण नियमों के तहत ही शहर में शालाएं चलाए। साथ ही शहर में अबैध स्कूल चालू मिलने पर एक लाख रूपये का दंड और प्रत्येक दिन दंड की रकम में 10 हजार रूपये की बढोत्तरी करने के लिए चेतावनी भी दी गई थी।

बावजूद शहर में अवैध स्कूल आज भी बेखौफ चलाए जा रहे हैं। जिसके कारण मनपा शिक्षा विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सौदागर अनिरुद्ध शिखर की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में इन पांचों स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों के खिलाफ आईपीसी की धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इन स्कूल संचालकों पर केस दर्ज

जिन स्कूलों पर केस दर्ज किया गया है। जिसमें ज़वेरिया उर्दू प्राइमरी स्कूल, कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल, विक्टोरिया इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, इस्लामियो इंग्लिश स्कूल, और मोहम्मद मुरसलीम (एम.एम.) पब्लिक इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, सहित पांच स्कूलों के प्रधानाचार्यों और संस्था प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। संबंधित स्कूल प्रबंधक अनिधिकृत स्कूलों की सूची में शामिल होने के बावजूद स्कूल संचालन जारी रखे हुए थे।

शादी के सवाल पर भड़कीं जैस्मीन भसीन

- कहा- लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए
- जब होनी होगी तब पता चल जाएगा

टीवी एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन जल्द ही रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रोहित शेट्टी के होस्ट वाले इस शो के प्रीमियर से पहले जैस्मीन ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी की अफवाहों और लगातार पूछे जाने वाले सवालों पर दो टूक जवाब दिया है। लंबे समय से एक्टर अली गोनी को डेट कर रहीं जैस्मीन ने कहा कि उनकी शादी से किसी का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। न तो कोई कैटरिंग का बिल भर रहा है और न ही डेकोरेशन का खर्च उठा रहा है।

'न आपको कैटरिंग का बिल देना है, न डेकोरेशन का खर्च'

पिंकविला को दिए इंटरव्यू में जैस्मीन भसीन से जब अलि गोनी संग शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी असहमति जताई। जैस्मीन ने कहा, मुझे लगता है कि किसी को इससे क्या लेना-देना। न तो आपने कैटरिंग का बिल भरना है और न ही शादी की डेकोरेशन का खर्च उठाना है। जब शादी करनी होगी, तब कर लेंगे। लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए।

जैस्मीन ने आगे कहा कि जब भी शादी होगी, सबको अपने आप पता चल जाएगा। यह उनका निजी फैसला है और किसी और को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए।

'शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं'

जैस्मीन ने लोगों की इस उत्सुकता पर चुटकी लेते हुए कहा कि कभी-कभी उन्हें इन बातों पर हंसी आती है। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि लोग मेरी पर्सनल लाइफ में इतने इंटरेस्टेड क्यों हैं। शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि हम क्यों खुश हैं, हमें भी शादी करके परेशान होना चाहिए।'

सिविल अस्पताल में 3 साल में 17,330 सफल सर्जरी

ठाणे. सिविल अस्पताल में ज़रूरतमंद और आर्थिक रूप से कमज़ोर मरीज़ों के लिए एक भरोसेमंद अस्पताल है। जैसे-जैसे नए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का काम चल रहा है, अस्पताल ने वागले एस्टेट में एक टेम्परारी जगह से सर्विस देते हुए भी इलाज की क्वालिटी बनाए रखकर बहुत अच्छा काम किया है। 6 जून, 2023 से 30 जून, 2026 के बीच अस्पताल में 17,330 सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। इसमें 10,821 बड़ी और 6,509 छोटी सर्जरी शामिल हैं।सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े की गाइडेंस में, कई मुश्किल सर्जरी, जिनमें आम आदमी को प्राइवेट

अस्पताल में लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, लेकिन इस अस्पताल में सफलतापूर्वक की जा रही हैं। हाल ही में, एक 49 साल की महिला की तीन घंटे की बहुत मुश्किल स्पाइन सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों रुपये होने की उम्मीद थी, लेकिन सिविल अस्पताल के एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम के कोशिशों से मरीज़ को नई ज़िंदगी मिली। साथ ही, तंबाकू खाने की वजह से जीभ के कैंसर से परेशान 70 साल के एक सीनियर सिटिज़न की कमांडो सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इस बहुत मुश्किल सर्जरी को डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीज़ को राहत दी। इसके अलावा, एक छह साल की बच्ची, जिसकी उंगलियां जन्म से चिपकी हुई थीं, की प्लास्टिक सर्जरी से रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की गई, जिससे उसकी ज़िंदगी में नई उम्मीद जगी। सिविल अस्पताल सच में उन कई मरीज़ों के लिए एक सहारा है, जिन्हें पैसे की वजह से इलाज नामुमकिन लगता है।अस्पताल में लेपरोटॉमी, हर्निया, सिजेरियन सेक्शन, ऑर्थोपेडिक्स, आंख, दांत, कान-नाक-गला के साथ-साथ लेजर और दूरबीन का इस्तेमाल करके कई तरह की मॉडर्न सर्जरी रेगुलर की जा रही हैं। टेम्परारी जगह से सर्विस मिलने के बावजूद, इलाज की क्वालिटी, डॉक्टरों की स्किल और मरीज़ों के प्रति सेंसिटिविटी ने ठाणे सिविल अस्पताल में आम लोगों का भरोसा और मज़बूत किया है।सिविल सर्जन डॉ कैलाश पवार ने कहा कि भले ही अस्पताल टेम्परारी जगह पर है, हमारा मकसद मरीज़ों को क्वालिटी और बिना रुकावट सर्विस देना है। पूरी मेडिकल टीम लगातार काम कर रही है ताकि हर मरीज़ को सबसे अच्छा इलाज मिले।

नगरसेवक रमेश म्हात्रे का रद्द होगा पद!

चुनाव आयोग ने मनपा आयुक्त को लिखा पत्र

कल्याण. कल्याण डोंबिवली मनपा में शिंदे ग्रुप के नगरसेवक रमेश म्हात्रे का नगरसेवक पद डिसक्वालिफाई करने के लिए आपका लेटर कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपैलिटी के कमिश्नर को भेज दिया गया है। अगर आपको इस बारे में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में कोई शिकायत है, तो आप सरकार के अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट से संपर्क करें। स्टेट इलेक्शन कमीशन ने शिकायत करने वाले कल्पेश गंगाराम जोशी को एक लेटर दिया है, जो मुंबई के आज़ाद मैदान में रमेश म्हात्रे का कॉर्पोरेटर पद कैंसिल करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं।

राज्य चुनाव आयोग के अवर सचिव परब ने इस बारे में शिकायत करने वाले जोशी, केडीएमसी के कमिश्नर और सरकार के मिनिस्ट्री में अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के डिप्टी सेक्रेटरी को कार्रवाई का लेटर भेजा है। इस लेटर में दिए गए भरोसे के कारण जोशी ने अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कुछ समय के लिए रोक दी है। राज्य चुनाव आयोग ने शिकायत करने वाले जोशी को साफ़ किया है कि स्टेट इलेक्शन कमीशन महाराष्ट्र म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट, 1949 के सेक्शन 10 1(d) के तहत म्युनिसिपल मेंबर को डिसक्वालिफ़ाई करने के लिए कोई एक्शन नहीं लेता है।

कल्याण डोंबिवली मनपा चुनाव पिछले साल दिसंबर में हुआ था। अपना नॉमिनेशन पेपर फ़ाइल करते समय, शिंदे ग्रुप के कॉर्पोरेटर रमेश सुक्रिया म्हात्रे ने कोपर वार्ड से नॉमिनेशन पेपर फ़ाइल करते समय, उन्हें एक एफिडेविट के ज़रिए कैंडिडेचर फ़ॉर्म भर था, जिसमें यह बताना था कि क्या उन्होंने खुद, उनकी पत्नी, बेटे या उनके घर में किसी और ने कोई अनऑथराइज़्ड कंस्ट्रक्शन किया है। यह जानकारी फ़ाइल करते समय, रमेश म्हात्रे ने कहा है कि उनका अनऑथराइज़्ड कंस्ट्रक्शन से कोई लेना-देना नहीं है और उनके खून के रिश्ते में किसी ने भी कोई अनऑथराइज़्ड कंस्ट्रक्शन नहीं किया है.

लेकिन रमेश म्हात्रे के बेटे प्रवीण रमेश म्हात्रे ने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके, फर्जी सरकारी हस्ताक्षर वाली मोहरों का इस्तेमाल करके और जमीन के मालिकाना हक से कोई संबंध नहीं रखते हुए, उस जमीन के सात-बारह उतारा पर अपना नाम डालकर और अपने सहयोगियों की मदद से पुराने डोंबिवली क्षेत्र में आरोही हाइट्स नामक एक अवैध इमारत का निर्माण किया है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099